ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-20 जनवरी-II, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

'द फ्यूचर ऑफ पावर'

दादी जानकी का सम्मानपूर्वक स्वागत करते हुए ब्र.कु. निर्मला व निज़ार जुमा।

समूह चित्र में दादी जानकी के साथ कार्यक्रम के प्रतिभागी।

टॉक शो के दौरान जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी व ब्र.कु. निज़ार जुमा।

ज्ञानसरोवर। ज्ञानसरोवर के मनोरम और खुशनुमा वातावरण के बीच `द फ्यूचर ऑफ पावर' का दो दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में भारत व नेपाल से 150 अग्रणियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत कैंडल लाइट डिनर से हुई जिसमें 100 वर्षीय दादी जानकी ने सभी के डाइनिंग टेबल के पास जाकर उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की एवं उन्हें ईश्वरीय वरदानों से भरपूर किया। कार्यक्रम में दोनों दिन सभी प्रतिभागियों ने ब्र.कु. डैविड क्लिोवस्कि के जीवंत व मधुर मुरली के धुन पर अमृतवेले राजयोग का विशेष रूप से अभ्यास किया व उसका लाभ लिया। अमृतवेले के बाद 6:30 बजे दानों दिन ऑस्ट्रेलिया की ब्र.कु. मौरीन ने सभी को राजयोग के विषय पर मार्गदर्शन किया। हर सत्र के मध्य ब्र.कु. डैविड ने अपने म्यूजिकल इन्स्ट्रूमेंट के साथ सभी को आंतरिक और गहरी शांति का अनुभव कराया।

इन दो दिनों के कार्यक्रम में ही मेहमानों को राजयोग का लगभग सम्पूर्ण ज्ञान दिया गया। मुख्य सत्र ब्र.कु. शीलू द्वारा संचालित किया गया। ब्र.कु. शिवानी ने दो दिनों में चार सत्रों का संचालन किया। ब्र.कु. निज़ार जुमा ने सभी उपस्थित अतिथियों को आध्यात्मिक उन्नति के सभी परिदृश्यों से व्यवहारिक रूप में अवगत कराया।

- द फ्यूचर ऑफ पावर की संगोष्ठि ज्ञानसरोवर में।
- कार्यक्रम का लगभग 150 गणमान्य लोगों ने लिया लाभ।
- कार्यक्रम की शुरुआत दादी जानकी के व्यक्तिगत रूप से प्रतिभागियों से मुलाकात के रूप में हुई।
- पहली बार कैंडल लाइट डिनर का हुआ आयोजन।
- ब्र.कु. शिवानी तथा ब्र.कु. निज़ार जुमा के साथ टॉक शो भी हुआ आयोजित।
- यू आर नॉट योर ब्रेन - नेविल।
- विज्ञान और आध्यात्मिकता का बहुत गहरा संबंध-ब्र.कु. सूर्य

पहले दिन की शाम को कुवैत से आईं ब्र.कु. अरुणा ने सभी को बहुत ही अद्भुत राजयोग का अनुभव कराया जिसमें सभी ने स्वयं को बॉडीकॉन्सेस से दूर सोल कॉन्सेस में महसूस किया और गहरी शांति व आनंद का अनुभव किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन सभी को विज्ञान के संदर्भ में आध्यात्मिकता से परिचित कराया गया। ऑक्सफोर्ड के ब्र.कु. नेविल ने `यू आर नॉट योर ब्रेन' विषय पर उत्कृष्ट प्रवचन दिये। इसमें उन्होंने नेचर ऑफ रियल्टी के बारे में गहरी आध्यात्मिक समझ व आधुनिक वैज्ञानिक समझ के बीच के संबंध को बखूबी स्पष्ट किया। सेटल के ब्र.कु. सूर्य ने विज्ञान और आध्यात्मिकता के संबंध को उजागर किया।

इन दो दिनों के कार्यक्रम ने सभी अतिथियों के हृदय को द्रविभूत कर दिया और उनमें नई जागृति लाई। सभी अतिथियों ने इस कार्यक्रम की तहे दिल से सराहना की और कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण और जीवन को परिवर्तित कर देने वाला है, साथ ही उन्होंने भी ऐसे कार्यों में सहयोग करने व भाग लेने की इच्छा जताई।

भारत का आधार व कर्णधार कृषक

राष्ट्रीय किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव में जुटे देशभर के किसान

शांतिवन। भारत कृषि प्रधान देश है तथा भारत की आत्मा गांव में बसती है। आज वही आत्मा कमज़ोर होती जा रही है। वातावरण के असामयिक बदलाव से कृषकों को हर बार आर्थिक और मानसिक परेशानियों से गुज़रना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों से बचाव के लिए किसानों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण की ज़रूरत है। उक्त उद्गार `राष्ट्रीय किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव सम्मेलन' के दौरान हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक तंवर ने व्यक्त किये। कृषक रूपी आत्मा को शक्तिशाली बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास सराहनीय है।

- किसानों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण की ज़रूरत
- कृषकों को शक्तिशाली बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास सराहनीय- तंवर
- किसानों को सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास से बाहर निकालो-दादी जानकी
- सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना ज़रूरी - ब्र.कु. निर्वैर

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि गाँवों के लोगों में सबसे ज़्यादा ज़रूरत है कि उन्हें सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास से बाहर निकाला जाये, ताकि वे अपनी ऊर्जा को कृषि और समाज के विकास में लगा सकें। हमें हरेक परिस्थितियों में एक-दो के सहयोगी बनना चाहिए।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अशोक तंवर, ब्र.कु. शारदा, रविन्द्र सिंह चीमा, दादी जानकी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. सरला, ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु. मुन्नी व ब्र.कु. गीता।

पंजाब कृषि विपणन बोर्ड के उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब कृषि के क्षेत्र में अग्रणी है परंतु वहां नशा और धूम्रपान से लोग ग्रसित होते जा रहे हैं, ऐसे में किसानों की ज़्यादा आय इसमें ही नष्ट हो जाती है। इसलिए इस किसान सशक्तिकरण अभियान के ज़रिये इन्हें इससे बचाया जा सकता है। इसके लिए ब्रह्माकुमारी संस्था को सकारात्मक प्रयास में तेज़ी लाने की ज़रूरत है। संस्था ने जो खेती की नई पद्धति निकाली है वह वास्तव में आधुनिक वातावरण के साथ तालमेल बनाने में कारगर है।

भारत स्वाभिमान गोवा के अध्यक्ष कमलेश वन्देकर, ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि आधुनिक संसाधनों का उपयोग कृषि विकास में लगाने चाहिए और साथ ही आध्यात्मिक रूप से भी सशक्त होना ज़रूरी है। प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो जयपुर की निदेशिका प्रज्ञा पालिवाल ने कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागृत होना चाहिए। राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए किसानों को यौगिक और जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू, संस्थान की कार्यक्रम प्रबन्धिका ब्र.कु. मुन्नी समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।